[This question paper contains 2 printed pages.]

Roll Number	:	
Unique Paper Code	:	**121301203 CC**
Title of the Paper	:	(Sahitya : Meghaduta & Uttararamacharita) साहित्य : मेघदूत एवम् उत्तरामचरित
Name of the Course	:	**MA Sanskrit Examination, May 2023**
Semester	:	**II**
Duration	:	**3 Hours**
Maximum Marks	:	**70**

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।
(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।
Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit **or** in Hindi **or** in English.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Attempt all questions.

1. निम्नलिखित पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7x4=28
   Explain the following verses with reference to the context :

(क) जातं वंशे भुवनविदिते पुष्करावर्तकानां
जानामि त्वां प्रकृतिपुरुषं कामरूपं मघोनः।
तेनार्थित्वं त्वयि विधिवशाद् दूरबन्धुर्गतोऽहं
याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा॥

अथवा / or

वक्रः पन्था यदपि भवतः प्रस्थितस्योत्तराशां
सौधोत्संगप्राणयविमुखो मा स्म भूरुज्जयिन्याः।
विद्युद्दामस्फुरितचकितैस्तत्र पौरांगनानां
लोलापांगैर्यदि न रमसे लोचनैर्वञ्चितोऽसि॥

(ख) यस्यां यक्षाः सितमणिमयान्येत्यः हर्म्यस्थलानि
ज्योतिश्छायाकुसुमरचितान्युत्तमस्त्रीसहायाः।
आसेवन्ते मधुरतिफलं कल्पवृक्षप्रसूतं
त्वद्गम्भीरध्वनिषु शनकैः पुष्करेष्वाहतेषु॥

अथवा /or

निःश्वासेनाधरकिसलयक्लेशिना विक्षिपन्तीं
शुद्धस्नानात् परुषमलकं नूनमागण्डलम्बम्।
मत्सम्भोगः कथमुपनयेत् स्वप्नजोऽपीति निद्रा-
माकाङ्क्षन्तीं नयनसलिलोत्पीडरुद्धावकाशाम्॥

(ग) अद्वैतं सुखदुःखयोरनुगतं सर्वास्ववस्थासु य–

द्विश्रामो हृदयस्य यत्र जरसा यस्मिन्नहार्यो रसः।
कालेनावरणात्ययात्परिणते यत्स्नेहसारे स्थितं
भद्रं तस्य सुमानुषस्य कथमप्येकं हि तत्प्रार्थ्यते॥

अथवा / or

अनिर्भिन्नो गभीरत्वादन्तर्गूढघनव्यथः।
पुटपाकप्रतीकाशो रामस्य करुणो रसः॥

(घ) त्रातुं लोकानिव परिणतः कायवानस्त्रवेदः
क्षात्रो धर्मः श्रित इव तनुं ब्रह्मकोशस्य गुप्त्यैः।
सामर्थ्यानामिव समुदयः संचयो वा गुणाना-
माविर्भूय स्थित इव जगत्पुण्यनिर्माणराशिः॥

अथवा / or

देवि ! सीते ! नमस्तेऽस्तु गतिर्नः पुत्रकौ हि ते।
अलेख्यदर्शनादेव ययोर्दाता रघूद्वहः॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणी लिखिए, जिसमें किसी एक संस्कृत में हो 5+5+5+7=22
Write notes on **any four** of the following, **one** of these must be in **Sanskrit**:

क) मेघदूत में 'सन्देशहरः' Messenger in Meghadoota

अथवा /Or

मेघदूत में वर्णित उज्जयिनी Ujjayini as depicted in the Meghaduta.

ख) अलकापुरी में यक्षभवन की विशिष्टता Uniqueness of Yaksha Bhavan in Alkapuri

अथवा /Or

कस्यात्यन्तं सुखमुपनतं दुःखमेकान्ततो वा।

ग) उत्तररामचरित में अङ्गी रस Main rasa in Uttararamacarita

अथवा /Or

उत्तररामचरित में 'जृम्भकास्त्र' 'Jrimbhakastra' in Uttararamacharita

घ) उत्तररामचरित में वर्णित नदियाँ Rivers in Uttararamacharita

अथवा /Or

उत्तररामचरित में मिश्र विष्कम्भक (Mishravishkambhaka in *Uttararamacarita.*)

3. मेघदूत में वर्णित भौगोलिक स्थिति का वर्णन कीजिए। 10
Describe the geographical location mentioned in Meghdoot.

अथवा /Or

किन्हीं पाँच प्रमुख सन्देशकाव्यों का परिचय दीजिए।
Give an introduction of any 5 main Dootakavyas.

4. उत्तररामचरित के नाटकीय तत्वों का निरूपण कीजिए। 10
Describe the dramatic elements of Uttara Ramcharit.

अथवा / Or

उत्तररामचरित के छायाङ्क का वर्णन कीजिए।
Describe the छायाङ्क of Uttararamacharita.